

प्रभावशाली क्यों न हो। समाज के सदस्य ऐसे वर्ग हैं, जिन्हें एक-दूसरे की आवश्यकता है। वे एक-दूसरे से अप्रासंगिक नहीं हो सकते। उनमें से कुछ लोग फ़ौजी हैं, कुछ डॉक्टर, कुछ नर्स तो कुछ जज हैं। भला उनमें से किसी एक के लिए यह कैसे संभव है कि वह अपनी खुशी हासिल करने के लिए दूसरों पर अपना लाभ और निजी स्वार्थ लादे और ध्यान का मुख्य केंद्र बन जाए ?

इंसान अपनी रूढ़ियों को स्वतंत्र छोड़कर उनका गुलाम बन जाता है, जबकि अल्लाह चाहता है कि वह उनका मालिक बने। अल्लाह इंसान से चाहता है कि वह एक समझदार, बुद्धिमान व्यक्ति बने, जो अपनी इच्छाओं को नियंत्रित रखे। उससे इच्छाओं को बिल्कुल खत्म करने की मांग नहीं है, बल्कि उसे आत्मा और रूह को ऊपर उठाने के लिए इन इच्छाओं को सही दिशा दिखाना है।

जब एक पिता अपने बच्चों को अध्ययन के लिए कुछ समय खास करने के लिए बाध्य करता है, ताकि वे भविष्य में ज्ञान के मैदान में एक ऊँचा स्थान प्राप्त कर सकें। जबकि उन बच्चों को केवल खेलने की इच्छा होती है, तो क्या वह इस समय एक क्रूर पिता माना जाता है ?

දුස්මාමත පිළිබඳ ඵරණ හා පිළිතුරු

📞📞📞📞: [000000://0-00000.000/00/00/0000/114/](https://www.000000.000/00/00/0000/114/)

📞📞📞📞 📞📞📞📞: [000000://0-00000.000/00/00/0000/114/](https://www.000000.000/00/00/0000/114/)

📞📞📞📞 500 00 000000 2026 05:42:53 00